

आलोचना के स्तंभ डॉ मैनेजर पाण्डेय



रणेन्द्र कुमार

डॉ मैनेजर पाण्डेय के आवास पर पुस्तकों और टेब्ल पर पड़े दुनिया भर के साहित्यक आलोचना की प्रतिक्रियाओं की उपस्थिति ने बिना कहे ही बहुत कुछ समझाने की कोशिश की। यह अनुभव हुआ कि साहित्यक समाचार जैसी अखबारी आलोचना या छात्र छात्राओं को ध्यान में रखकर लिखी अकादमिक आलोचनाओं से भिन्न मानविकालीन दृष्टि से समाजशास्त्रिय भूमिका निभाने वाली एक नीतीन आलोचना पढ़ति को अंकुरित-प्रस्तुति ऐप विकसित करने में आजीवन जितना परिश्रम करना होता है। एक ऐसी आलोचना पढ़ति डॉ पाण्डेय ने हिंदी साहित्य की मेरी समझ को तराफ़ नहीं मूर्मिका निभाई थी। साहित्य में समाज शास्त्र की भूमिका, साहित्य और इतिहास दृष्टि, आलोचना की सामाजिकता, अनेक संचार आदि ने हिन्दी साहित्य की मेरी समझ को तराफ़ नहीं मूर्मिका निभाई थी। साहित्य की जा सकती है, बस उसे महसूस किया जा सकता है। वैसे हिंदी साहित्य विद्यार्थी न होने की एक तरह की दीनाता बोध से उत्कर्ष के लिये मैं ऐसी दो चार पुस्तकों से दो-चार होते रहने की कोशिश की है। पढ़ने समझाने के क्रम में डॉ मैनेजर पाण्डेय के आवास के शब्द और कर्म के साथ मेरे मानविक जुड़ाव गहराते गये। इसमें मेरे नगर संचार ने भी महत्वपूर्ण दुनिया भर के साहित्यक आलोचना

नेहरू के विविक के भाषा केन्द्र के तत्कालीनिवार्याक्षर और हिंदी के आलोचना के दैदायियम प्रकाश स्तंभ डॉ मैनेजर पाण्डेय से पहली भेंट तो उनकी रचनाओं के माध्यम से हुई थी। साहित्य में समाज शास्त्र की भूमिका, साहित्य और इतिहास दृष्टि, आलोचना की सामाजिकता, अनेक संचार आदि ने हिन्दी साहित्य की मेरी समझ को तराफ़ नहीं मूर्मिका निभाई थी। साहित्य की जा सकती है, बस उसे महसूस किया जा सकता है। वैसे हिंदी साहित्य विद्यार्थी न होने की एक तरह की दीनाता बोध से उत्कर्ष के लिये मैं ऐसी दो चार पुस्तकों से दो-चार होते रहने की कोशिश की है। पढ़ने समझाने के क्रम में डॉ मैनेजर पाण्डेय के आवास के शब्द और कर्म के साथ मेरे मानविक जुड़ाव गहराते गये। इसमें मेरे नगर संचार ने भी महत्वपूर्ण दुनिया भर के साहित्यक आलोचना

आलोचना पढ़ति डॉ पाण्डेय ने हिंदी जगत को दी जिसने न केवल हमारी दृष्टि साक्षर तथा रचनाकार और प्राप्तिक के अंतर संबंधों को व्याख्यात करती व्यापक वार्षिक विमर्श का हिस्सा भी बनने में सफल हुई। डॉ पाण्डेय की यह अवधारणा धीरे-धीरे स्पष्ट हुई कि साहित्यक रचनाएँ इतिहास से निर्मित होती हैं और इतिहास का निर्माण भी करती है। रचना का अस्तित्व इतिहास के भीतर होता है केवल साहित्य के बाहर नहीं। कृतिवार्ता की उपस्थिति में इतिहास की सक्रिय भूमिका होती है और पाठकों द्वारा उनके अनुभव और मूल्यांकन का इतिहास उनके जीवन की इतिहास होता है। कलाकृतियां अपने सामाजिक परिवासिक संदर्भ में रखकर लिखी अकादमिक आलोचनाओं से जिन मानविक भूमिकाएँ अपने नानीन आलोचना विभाग के सिद्धांत के प्रति विश्वासित होती हैं। वैसे हिंदी साहित्यक आलोचना पढ़ति को अंकुरित-प्रस्तुति एवं विकसित करने में आजीवन जितना परिश्रम करना होता है। एक ऐसी

अतः करण से समाज के वर्चस्ववादी विमर्श से अतिम जुड़ाव और उपर से जन पक्षधरताके छद्म रचने वाली रचनाओं के अंतर संबंधों को व्याख्यात करती व्यापक वार्षिक विमर्श का वैदिकता तेजस्वता की होती है। वह तेजस्वित विस्त्र प्रकार अथवा परिश्रम से अर्जित अपनी इस वैदिकता से अपने समय समाज और संस्कृति के आलोचनात्मक विवेक के निर्माता तत्त्व के बाहर नहीं।



है इनसे हमारे मन में जिजासा और सवाल पैदा होते हैं तब हम गुरु की खोज करते हैं। इसाई और इस्लाम धर्म में इसकी सभावना कम है। इस्लाम में नमाज और रोजा की प्रधानता हो गयी है। हिंदू धर्म में कर्मांक भी मूर्मिका होती है। वह प्रतिरक्त करता है प्रेणा का काम करता है। हिंदू धर्म में तर्क की गुणाङ्गा है वह धर्म अपेन है खुला हुआ है।

1887 में जब विवेकानन्द अमेरिका के शिकाय गये तब उन्होंने कहा मैं जिस देश से आया हूं और जिस धर्म का प्रतिनिधि हूं उनके बाहर नाम पर होती है लोकिन कुछ भी उनके नाम पर होती है जो शूल देता है। उनकी जीवनी में भर पाना कठिन है। (लेखक प्रख्यात साहित्यकार और धर्म के घर-घर में प्रयाग और भारत के घर-घर में रखना के लिये मिलता है। हमारी माताये, बहनें, बेटियां विवाह के बाद जहां जाती है सब कुछ बहां के लिये समर्पित कर देती है। पूराजीवन वहां बीतती है लोकिन कुछ भी उनके नाम पर होती है जो शूल देता है। पुत्र को भी लोग नाम पर होती है उनकी जीवनी में भर पाना कठिन है। हिंदू इतने में संतुष्ट नहीं होता है। हिंदू इश्वर से साक्षात्कार और भगवत् प्राप्ति की बात करते हैं। ईश्वर प्राप्ति की बात ने दुनिया को अमेरिका को सोचने के लिये नहीं मरती है। उनका त्याग बहुत जबड़ा है। यही कारण है कि हमारी संस्कृति के स्रोतानाम, राधे-कृष्णा का मर्मिन्द्रिय अपने कामकांड के रूप में विवेकानन्द के लिये नहीं होती है। इसी जीवनी के कारण रुदी पूजनीय होती है।

एक व्यक्ति ने मुझसे सवाल किया कि मंदिर में भगवान हैं? मूर्मिका वाले भी जीवनी के लिये नहीं मरती है। उनका त्याग बहुत जबड़ा है। यही कारण है कि हमारी धर्म का अर्थ है स्रोतानाम, राधे-कृष्णा का मर्मिन्द्रिय अपने कामकांड के रूप में विवेकानन्द के लिये नहीं होती है। इसी जीवनी के कारण रुदी पूजनीय होती है।

आप पतल पर भात चाटते हैं और दूध चलाता जा रहा है तब आपको भात मिलेगा कैसे? तब आपको भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है। उनकी जीवनी के कामकांड के टीम-वर्क को रेखांकित किया गया। संग्रह की दीर्घी वर्षों में भगवान हैं? उसने नियम लौकिक और वैदिक बनाये गये हैं। लोग काशी, विन्ध्याचल के रूप में स्वीकार किया गया है। इसी जीवनी के कारण रुदी पूजनीय होती है।

एक व्यक्ति ने मुझसे सवाल किया कि मंदिर में भगवान हैं?

आप पतल पर भात चाटते हैं और दूध चलाता जा रहा है तब आपको भात मिलेगा कैसे?

आप पतल पर भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है। उनकी जीवनी के कामकांड के टीम-वर्क को रेखांकित किया गया। आपको भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है। उनकी जीवनी के कामकांड के टीम-वर्क को रेखांकित किया गया। संग्रह की दीर्घी वर्षों में भगवान हैं?

आप पतल पर भात चाटते हैं और दूध चलाता जा रहा है तब आपको भात मिलेगा कैसे?

आप पतल पर भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है। उनकी जीवनी के कामकांड के टीम-वर्क को रेखांकित किया गया। आपको भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है।

आप पतल पर भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है। उनकी जीवनी के कामकांड के टीम-वर्क को रेखांकित किया गया। आपको भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है।

आप पतल पर भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है। उनकी जीवनी के कामकांड के टीम-वर्क को रेखांकित किया गया। आपको भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है।

आप पतल पर भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है। उनकी जीवनी के कामकांड के टीम-वर्क को रेखांकित किया गया। आपको भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है।

आप पतल पर भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है। उनकी जीवनी के कामकांड के टीम-वर्क को रेखांकित किया गया। आपको भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है।

आप पतल पर भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है। उनकी जीवनी के कामकांड के टीम-वर्क को रेखांकित किया गया। आपको भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है।

आप पतल पर भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है। उनकी जीवनी के कामकांड के टीम-वर्क को रेखांकित किया गया। आपको भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है।

आप पतल पर भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है। उनकी जीवनी के कामकांड के टीम-वर्क को रेखांकित किया गया। आपको भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है।

आप पतल पर भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है। उनकी जीवनी के कामकांड के टीम-वर्क को रेखांकित किया गया। आपको भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है।

आप पतल पर भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है। उनकी जीवनी के कामकांड के टीम-वर्क को रेखांकित किया गया। आपको भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है।

आप पतल पर भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है। उनकी जीवनी के कामकांड के टीम-वर्क को रेखांकित किया गया। आपको भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है।

आप पतल पर भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है। उनकी जीवनी के कामकांड के टीम-वर्क को रेखांकित किया गया। आपको भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है।

आप पतल पर भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है। उनकी जीवनी के कामकांड के टीम-वर्क को रेखांकित किया गया। आपको भात चाटते हैं और उस स्तरीय नहीं होता है।</

वर्षे से खटाब पड़ा चापानल और जलमीनार हुआ दृष्टस्त

बरही। प्रखंड अंतर्गत काल्हुआकला पंचायत के विभिन्न गांवों में खटाब पड़े कई चापानल एवं जलमीनार को मुखिया मंगलदेव यादव ने मरमत करवाया। उहाँने बताया कि कुछ चापानल और जलमीनार लगभग 3-4 वर्षों से बंद पड़ा हुआ था, जिसके कारण ग्रामीणों को पानी की सप्तस्थाओं का सामग्री करना पड़ रहा था। मुखिया मंगलदेव यादव के प्रयास से पंचायत के लोगों को पानी की असुविधा न हो। इसके लिए उहाँने खटाब पड़े चापानल और जलमीनार का मरमत कराया। मुखिया मंगलदेव यादव ने कहा कि पेयजल जैसी जीवन की मूल जसरत पूरी करने में कोई दिक्कत न हो। इसलिए सभी मिलकर सरकारी व्यवस्था जलमीनार और जलमीनार का उत्तर सख्त-खटाब पर भी ध्यान दें। किसी तरह की परेशानी हो तो उहाँ अवश्य सूचना दें।

जिला परिषद के सहकारिता समिति का अध्यक्ष बने जीतन राम

खबर मन्त्र संवाददाता



जीतन राम
के साथ साथ हजारीबाग के लोगों में उत्साह है।



बालक वर्ग के विजेता टीम को पुरस्कृत करते मुख्य अतिथि बीड़ीओ हॉल्डर सेठी।



अतिथियों के साथ पुरस्कार लिए बालक वर्ग की टीम

खबर मन्त्र संवाददाता

भद्रानीनगर (रामगढ़)। परतात्र प्रखंड-प्रशासन के तत्वावधान में भद्रानीनगर आईजी फुटबॉल मैदान में चल रहे दो पंचायतीय स्तर पर पैक्स के माध्यम से मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, पैक्स अध्यक्ष के आपारी सहमति बनाकर बीच उठाऊ कर किसानों को पहचान प्रदान करते हुए आधार कार्ड या कोई पहचान पत्र एवं मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। मोके पर बीसीओ राजेश कुमार, सीताराम मेहता, 20 सूनी सदस्य दिवारीं को यारों वारा आयोजित किया जाएगा। खरीद के समय किसानों को पहचान पत्र हेतु आधार कार्ड या कोई पहचान पत्र एवं मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।

पुरुष वर्ग के फाइनल मैच में लंगा ने

आलोक में उपरोक्त विषय वस्तु से संबंधित एक बैठक 5 दिसंबर को उपरात्र के 15 वर्ष पौं होने के उपलक्ष्य के पांच विद्यायी कार्यालय बरका-स्याल में आयोजित की गई है। बैठक में उपस्थित होकर आप अपना पक्ष रखें ताकि समस्या का समापन हो।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम को ले चंद्रावती देवी को यारों वारा आयोजित की गई है। वैठक में उपस्थित होकर आप अपना पक्ष रखें ताकि समस्या का समापन हो।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम को ले चंद्रावती देवी को यारों वारा आयोजित की गई है। वैठक में उपस्थित होकर आप अपना पक्ष रखें ताकि समस्या का समापन हो।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम को ले चंद्रावती देवी को यारों वारा आयोजित की गई है। वैठक में उपस्थित होकर आप अपना पक्ष रखें ताकि समस्या का समापन हो।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीएल भुकुंडा में कार्यरत थे।

मालूम हो कि चंद्रावती देवी के

पति राम नारायण पांडे जो सीसीए



सीआईएसएफ
अवैध कोयला लदा
हाइव पकड़ा

पुटकी। पुटकी थाना क्षेत्र के चिरुडीह गुसा पेट्रोल पप्पे के पास अवैध कोयला के पास हाइव गाड़ी न० जेएच 10 सीके 5547 जो लावारिस अवस्था में सीआईएसएफ ने युक्त गाड़ी को जब किया। वही वर्तमान समय में ऐनजिकर्सी कोलायर और ऐनजिकर्सी पदाधिकारी के पद मनरोन्ह प्रशान्त कार्यरत ने पुटकी थाना प्रभारी अलबिनुस इवार को लिखित शिकायत दिया है कि बीसीसीएल पीबी एरिया पुटकी क्षेत्र संख्या-8 के सीआईएसएफ के इंस्पेक्टर आदर्श कुमार सिंह ने मुझे दो दिसंबर की शाम को फोन कर रखना दिया कि उक्त हाइव गाड़ी न० जेएच 10 सीके को चिरुडीह के रिख्त पास हाइव पेट्रोल पप्पे के पास कोयला लदा।

हुआ लावारिस अवस्था में मिली है। यह हाइव अलकुसा कोल डम्प से कैपीएसके साझिंग कुसुरा के जाने के लिये अधिकृत किया गया था लेकिन युक्त हाइव स्थान पर नहीं जाकर चोरी की लिये अर्थ जगह पर जा रहा था। हाइव पर जाप पड़ताल कर करनी की कार्यालयी करने का अवेदन किया। वही हाइव पर माला दर्ज कर पुलिस जाँच पड़ताल में जुटी।

नगदी और हजारों के सानान की चोरी

बेरमो। बेरमो थाना क्षेत्र के फुसरो बाजार रिख्त बैप्सी होटल में बीती रात्रि को चोरों की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने अस्वीकर सीट को तोड़कर होटल में दाखिल हुए और गल्ला को तोड़ उसमें रखे नगदी समेत हाजारों रुपए के सामान लेकर चलते बो। होटल के मालिक विवेक चौरसिया ने चोरों की घटना की जानकारी बेरमो थाना की पुलिस को दी है। मामले की जानकारी पाकर थाने की पुलिस सोके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। युवा व्यवसाई संघ फुसरो के अध्यक्ष आरपुण ने कहा कि दुकानदार अपने दुकान की रक्षा ख्याल रखते हैं। उहाँने बेरमो पुलिस से निष्पक्ष जाँच कर चोरों की मांग किया। पुलिस घटना की जाँच में जुट गई है।

काली मणि के निर्णायक को लेकर बैठक
चिरकुड़ा। चिरकुड़ा के काणसारा में नव निर्मित काली मणि के निर्माण कार्य को लेकर शनिवार की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समाजसेवकों की तीर्तिवास झा ने किया। जानकारी हो इक साहार पूर्व कीर्तिवास झा की द्वारा मन्दिर निर्माण का शिलान्यास किया गया था। बैठक में मुख्य रूप से अनन्द प्रकाश, अधिकारी दास, मनोज रविदास, रंजित रविदास, मिनू देवी, कविता, नीति, प्रकाश, रविदास, मनोज, गणेश आदि लोग मौजूद थे।

डीआरएम ने किया फुसरो ऐलवे स्टेशन का निरीक्षण

बेरमो। फुसरो में बचाव रेल मॉडल के डीआरएम आर सी बंसल ने फुसरो रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान डीआरएम ने घनांव रेलवे स्टेशन का कार्यालय माल गोदाम एवं प्लेटफार्म फुसरो में डीआरएम आर सी बंसल ने रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। अधिकारियों से यात्री विश्राम रुम एंड शेड व रेलवे स्टेशन का जायजा लिया। सभी व्यवस्थाओं को देखने के बाद अधिकारियों को कई अवैध कर दिया गया। यहां पर सीसीएल ढोरों के महाप्रबंधक मनोज अप्रावाल ने युक्त देकर डीआरएम का जायजा लिया और कई समर्थनों से अवैध कर दिया गया। इसके बाद डीआरएम आर सी बंसल ने बचाव रेलवे स्टेशन का जायजा लिया।

डॉ राजेन्द्र प्रसाद की ननी जयंती

बेरमो। पुटकी में बचाव रेल मॉडल के डीआरएम आर सी बंसल ने फुसरो में बचाव रेलवे स्टेशन के बायालीय में मनाया गया। सर्वप्रथम ३० राजेन्द्र प्रसाद के चित्र पर माल्यार्थ व पुष्प अर्पण किया गया। इस सोके पर शक्ति व भूषण के बायालीय में मनाया गया। यहां पर सीसीएल ढोरों की डॉ राजेन्द्र प्रसाद की ननी जयंती का विशेष विधान किया गया। इस सोके पर शक्ति व भूषण के बायालीय में मनाया गया। यहां पर सीसीएल ढोरों की डॉ राजेन्द्र प्रसाद की ननी जयंती का विशेष विधान किया गया।

धनबाद/बोकारो/बेरमो

उपायुक्त ने किया वॉक टू फ्रीडम ट्रैली को रवाना

खबर मन्त्र संवाददाता



कार्यक्रम में थे मौजूद

कार्यक्रम में रोजी वला औप धनबाद के संजीव बियोरा, राजेश पराकरिया, दीपक अमावल, विकास शमा, राहन व्यास, डॉ अंशिक अग्रवाल, विशाल गंडेल, पार्श्व सिंह, जीवन ज्योति स्कूल की प्रियंका श्रीमती अर्पणा दास, हेलंग पारकरिया, शिल्पा रस्तोगी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

समाज में दिव्यांग बच्चों के हित रैली में शामिल हुए हैं। इससे समाज में लोगों के बीच सकारात्मक संदेश जाएगा रैली जीवन ज्योति स्कूल से भी आज जीवन ज्योति स्कूल के साथ कदम मिलाकर बच्चों के साथ लिए रवाना हुई।

मनरेगा कर्मियों की बैठक में बीड़ीओं ने दिये दिशा-निर्देश

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो/पटेवराव। प्रखंड सह अंतर्लक्ष कार्यालय के सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी शैलेन्द्र कुमार चौरसिया की अध्यक्षता में शनिवार को मनरेगा कर्मियों की एक बैठक की अंतर्गत चलाए जा रहे विभिन्न विभागों की आवाज भौमिका की बीड़ीओं ने अवसरक दिवास। निर्देश देते हुए इस अपने अमल में लाने का निर्देश दिया। बीड़ीओं ने मनरेगा कर्मियों से कहा कि प्रखंड के विभिन्न संघायों में 10 वायो गैस का निर्माण किया गया।

